

ORIGINAL ARTICLE

Published:
1st April, 2015

Vol. -V,
Issue - III, April, 2015

महाराष्ट्र में पृथक विदर्भ आंदोलन,
राजनीति एवं प्रिंट मीडिया हस्तक्षेप

Your Article
QR Code



See your article on Mobile



ABSTRACT

पृथक विदर्भ की मांग यह कोई नई मांग नहीं है, सन् 1905 से विदर्भ राज्य की मांग शुरू हुई. प्रेस का कार्य संदेशवाहक और टिप्पणीकार दोनों ही होता है. महाराष्ट्र में पृथक विदर्भ मुद्दे का समाचार पत्र में स्थान के विभिन्न आवधारणाओं से मास मीडिया को मार्गदर्शन मिलता है. महाराष्ट्र राज्य के लोगों की पृथक विदर्भ के पक्ष और विरोधी मांगों का अध्ययन करने वाली राज्य पुनर्गठना आयोग, फजल अली समिति वि. म. दांडेकर समिति की रिपोर्ट की प्रस्तुति तथा हाल ही में बने तेलंगाना राज्य के कारण यह मुद्दा एक ज्वलंत विषय बन गया है.

Article Indexed in



Correspondence to सुनील घोडके

Designation:- संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र, म.ग.आं.हिं.वि.वि,
गांधी हिल, वर्धा.

Introduction

पृथक्तावाद या सेसेशननिजम लैटिन भाषा के शब्द सेसेशियो से बना है। इसका अर्थ है किसी संगठन, किसी संघ या किसी राज्य से अलग होने की माँग करना और उसके लिए आंदोलन चलाना। यह आंदोलन शांतिपूर्ण भी हो सकता है या हथियारबंद भी। आम तौर पर पृथक्तावाद के जरिये किसी स्थापित राजनीतिक प्राधिकार को चुनौती दी जाती है।

A Good Introduction :-

Importance of the expected results to the general inqu Extremely briefly depict the exploratory configuration and how it achieved the expressed destinations.

Materials

Must add materials in your article .

A Good Materials :-

Materials may be accounted for in a different passage or else they may be distinguished alongside your systems. Inc or supplies that are not generally found in research centers.

Result

Must add result in your article.

A Good Result :-

Results are as per aims and objective and useful to further research .

Conclusion

महाराष्ट्र में पृथक विदर्भ मुद्दे को समाचार पत्र में स्थान के विभिन्न आवधारणाओं से मास मीडिया को मार्गदर्शन मिलता है। महाराष्ट्र राज्य के लोगों की पृथक विदर्भ के पक्ष और विरोधी मांगों का अध्ययन करने वाली राज्य पुनर्चना आयोग, फजल अली समिति वि. म. दांडेकर समिति की रिपोर्ट की प्रस्तुति तथा हाल ही में बने तेलंगाना राज्य के कारण यह मुद्दा एक ज्वलंत विषय बन गया है। पृथक विदर्भ संबंधी घटनाओं और क्रियाकलापों को दिए जाने वाले स्थान में पाठकों, संकलनकर्ताओं, पत्रकारों तथा मीडिया मालिकों के अपनी-अपनी आकांक्षाएं, अपेक्षाएं, सीमाएं तथा चुनौतियां हैं।

A Good Conclusion :-

Thus,the research have wider scope for new academician and research scholars.

References

- मखेकाले, ना.रा. राजकीय नेतृत्व. नागपुर रु श्री मंगेश प्रकाशन, 1999
- मिश्रा, राजू. जनादेश (विदर्भ 19957 ते 1998). नागपुर रु त्रिपाद प्रकाशन, 1999
- पोहरे, प्रकाश. वेगला विदर्भ की विकसित विदर्भ. अकोला रु विदर्भ पब्लिकेशन प्रा.लि., 2011
- जोशी, श्रीपाद भालचंद्र, वेगला विदर्भ की अखंड महाराष्ट्र? एक वादाची सद्यस्थिती. नागपुर रु ग्रंथाली प्रकाशन, 2013
- टककामोरे, संगीता जी. विदर्भातील आर्थिक आणि सामाजिक विचार. नागपुर रु श्री मंगेश प्रकाशन, 2013

A Good References :-

There are Places where the Author सुनील घोडके Need to Cite a Reference, but Have Not

SUMMARY OF ARTICLE

No.		Very High	High	Average	Low	Very Low
1.	Interest of the topic to the readers	✓				
2.	Originally & Novelty of the ideas		✓			
3.	Importance of the proposed ideas		✓			
4.	Timelines			✓		
5.	Sufficient information to support the assertions made & conclusion drawn	✓				
6.	Quality of writing (Organization, Clarity, Accuracy Grammer)	✓				
7.	References & Citation (Up-to-date, Appropriate Sufficient)					

FUTURE RESEARCH PLANNING:

1. Career For Faculty (<http://academicprofile.org/Professor/CareerForFaculty.aspx>)
2. Academic Plan (<http://academicprofile.org/Professor/AcademicPlan.aspx>)
3. Regarding Professor Promotion
(<http://academicprofile.org/Professor/regardingPromotion.aspx>)
4. Fellowship for Post Doctoral
(<http://academicprofile.org/Professor/FellowshipForPD.aspx>)

HOW TO INCREASE API

Services for Associate Professor to Professor

- ★ Thesis convert into book.Publish in USA - 50 API Marks
- ★ 15 Articles from your Ph.D thesis - 150 API Marks
- ★ UGC Minor Research Project - 10 API Marks
- ★ UGC Major Research Project - 15 API Marks
- ★ Call for Book Chapter - 25 API Marks
- ★ 5 Seminar Paper presentation - 50 API Marks
(we organize)



REVIEWER COMMENTS

- This was a superb give an account of extremely intensive examination.
- The writing audit was careful, the approach was carefully exhaustive and fused the utilization of sufficient quantities of tests in dust size examination and blast tests.

Authorized Signature

Dr. Ashok Yakkaldevi
Review Editor

LAXMI BOOK PUBLICATION

Ph.: 0217-2372010 / +91-9595-359-435
Email.: ayisrj2011@gmail.com
Website.: www.isrj.org